''गुजरात की गरीबी के लिए बाहरी लोग जिम्मेदार'' - नरेन्द्र मोदी

ये लो MNS और शिवसेना के बाद अब नरेन्द्र मोदी का नया सगूफा कहते हैं, "गुजरात में गरीबी के लिए बाहरी लोग जिम्मेदार हैं।" बस इतनी जल्दी हवा निकल गई थोड़े दिन पहले दिल्ली के श्रीराम कॉमर्स कालेज में दिए "चमक रहा गुजरात" भाषण की? उस दिन तो ऐसे महिमामंडित करके गए थे गुजरात को कि जैसे सारे देश को गुजरात ही खिला रहा है, लेकिन फिर भी अपने अंदर बैठे साम्प्रदायिक कीड़े को थाम नहीं पाए या फिर यह नितीश कुमार के भाजपा में बढ़ते प्रभाव का नतीजा है और बिहारी कहते-कहते बाहरी कह गए?

सुना है हरियाणा और NCR में करीब 30 लाख तो अकेले बिहारी भाई रोजगार कर रहे हैं, करीब 7-8 लाख बंगाली भाई हैं और ऐसे ही दूसरे राज्यों से मिला के देखो तो कम से कम 50 लाख के आसपास दूसरे राज्यों के भाई हरियाणा और NCR में रोजगार पा रहे हैं।

भिन्न-भिन्न राज्यों के मुखियाओं और मुख्य नेताओं के इन विचारों से तो सोचता हूँ कि इन सबसे तो हम हरियाणवी ही कितने अच्छे हैं कि 'आजतक किसी हरियाणवी ने यह नहीं कहा कि हरियाणा में भी गरीबी बाहरी लोगों नें बढाई है या फिर यहाँ के स्थानीय लोगों का रोजगार बाहरी लोग छीन रहे हैं?"

और सबसे बड़ा डर तो मुझे इस बात का लगता है कि जिस तरह से मीडिया नें हरियाणा की खापों का बेवजह का खौफ खड़ा कर रखा है, उनको ऐसे दिखा रखा है कि ये तो बहुत अत्याचारी होते हैं तो ऐसे में अगर ये मुद्दा उनके हाथ लग जाए तो दिल्ली और NCR में तो हाहाकार मच देंगे वो लोग.....क्यों मीडिया वालो ऐसा ही है ना?

लेकिन ये सत्य नहीं है। पर काश मीडिया हरियाणा के लोगों और उनके सामाजिक संगठनों की इस मानवीयता और लोकतान्त्रिक सोच को समझ कभी इनको भी आदर-भाव दे के इनकी इन महानता को समझे। सोचता हूँ कि अगर टी. वी. एंकर होता तो इसपे एक प्रोग्राम तो जरूर रखता, ताकि लोग खापलैंड की इस दरियादिली को भी समझते।

महाराष्ट्र और गुजरात वाले खापलैंड से कम से कम यह अध्याय तो सीख ही सकते हैं, कि राष्ट्रीय भावना क्या होती है। और इस मीडिया में बैठे ये "so called पत्रकार और समाज सेवक" कम से कम इस बात के लिए तो कभी खापलैंड की पीठ थपथपा दिया करो। वरना तो जब देखो डरे हुए से ही दीखते हो खाप के आतंक से और दूसरों को भी डरा के रखते हो कि जैसे पता नहीं खापलैंड तो मानवता का कितना बड़ा भस्मासुर है।

गिनाने को तो एक-एक पत्रकार और समाजसेवी के नाम गिना सकता हूँ जो हरियाणा को ले इनपे तेल-पानी लिए चढ़े रहते हैं लेकिन समझने वाला तो इतने से ही समझ जायेगा।

Phool Kumar Malik, Nidana Heights

Reference: नरेंद्र मोदी ने गुजरात की गरीबी के लिए बाहरियों को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली. गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौंकाने वाला बयान दिया है। मोदी का कहना है कि प्रदेश की गरीबी के लिए बाहरी राज्यों के लोग जिम्मेदार हैं। मोदी के मुताबिक, 'हम बड़ी संख्या में गरीबी आयात करते हैं। अहमदाबाद और सूरत जैसे शहरों में बड़ी संख्या में रेलगाड़ियां बाहर से आती हैं। जब जनगणना होती है तो यह लोग भी इसमें शामिल हो जाते हैं।'

http://www.bhaskar.com/article/NAT-narendra-modi-attack-north-indian-4210150-NOR.html?HT3=